BSES

गर्मियों की तैयारी अभी से शुरू, पावर बैंकिंग पर जोर

- नॉन पीक आवर्स के दौरान बीवाईपीएल और बीआरपीएल कर रही हैं पावर बैंकिंग
- गर्मियों के पीक महीनों के दौरान मिलेगी अभी बैंक की जा रही बिजली

नई दिल्ली, 11 जनवरी, 2010। ताकि गर्मियों के दौरान बिजली की कोई समस्या न हो, इसलिए बीवाईपीएल और बीआरपीएल ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। विभिन्न पावर प्लांटों से गर्मियों के दौरान बिजली खरीद का समझौता करने के अलावा, कंपनियां पॉवर बैंकिंग पर भी खास ध्यान दे रही हैं। नॉन पीक आवर्स के दौरान, बीवाईपीएल और बीआरपीएल कई राज्यों के पास बिजली "बैंक" कर रही हैं। यानी, अभी उन राज्यों को जितनी बिजली दी जा रही है, उतनी बिजली वे राज्य गर्मियों में बीवाईपीएल और बीआरपीएल को वापस करेंगी। उल्लेखनीय है कि बिजली के इस लेन–देन में पैसे का इस्तेमाल नहीं होता, बिजली के बदले सिर्फ बिजली ही ली और दी जा सकती है।

दिल्ली पावर प्रॉक्योरमेंट ग्रुप को विश्वास में लेकर ऐसा किया जा रहा है। बीआरपीएल और बीवाईपीएल 31 मार्च तक पावर बैंकिंग करेंगी, उसके बाद नहीं। उल्लेखनीय है कि बीएसईएस अगली गर्मियों के लिए मांग के मुकाबले 3–5 प्रतिशत तक अधिक बिजली की व्यवस्था करने की कोशिश कर रही है, ताकि उपभोक्ताओं को दिक्कत न आए।

<u>बीवाईपीएल</u>

जनवरी माह में बीवाईपीएल मध्य प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में 374 मेगावॉट बिजली बैंक कर रही है। फरवरी में यह मध्य प्रदेश और हिमाचल प्रदेश को पावर बैंकिंग के तहत करीब 338 मेगवॉट बिजली देगी। मार्च में मध्य प्रदेश को 310 मेगावॉट बिजली पावर बैंकिंग के तहत दी जाएगी।

<u>बीआरपीएल</u>

जनवरी माह में बीआरपीएल हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश को 233 मेगावॉट बिजली पॉवर बैंकिंग के तहत दे रही है। फरवरी माह में 297 मेगावॉट बिजली महाराष्ट्र, हिमाचल और उत्तर प्रदेश को दी जाएगी। मार्च में भी इन राज्यों को बीआरपीएल की ओर से 297 मेगावॉट बिजली मिलेगी।

बीवाईपीएल के सीईओ श्री रमेश नारायणन का कहना है कि बिजली की मांग चाहे कितनी भी क्यों न बढ़ जाए, लेकिन उपभोक्ताओं को दिक्कत नहीं आनी चाहिए– इसी बात को ध्यान में रखते हुए अभी से गर्मियों की तैयारी की जा रही है। आने वाली गर्मियों में दिल्ली में बिजली की मांग 4700 मेगावॉट तक पहुंचने का अनुमान है। और, बीएसईएस की ओर से तमाम प्रयास किए जाएंगे कि बिजली की व्यवस्था पूरी रहे, चाहे किसी भी कीमत पर बिजली क्यों न खरीदनी पड़े।

बीआरपीएल के सीईओ श्री गोपाल सक्सेना के मुताबिक, पावर बैंकिंग से न सिर्फ गर्मियों में उपभोक्ताओं का राहत मिलेगी, बल्कि यह कुछ हद तक बिजली की दरों पर भी अंकुश रखेगा। इस व्यवस्था के तहत, अपेक्षाकृत सस्ती बिजली खरीदी जा रही है और इसका कुछ हिस्सा पावर बैंकिंग के तहत अन्य राज्यों को दिया जा रहा है, ताकि ट्रांसमिशन घाटा और ओपन एक्सेस चार्ज में कमी आ सके।

बीएसईएस प्रवक्ता के अनुसार, पावर बैंकिंग से बीएसईएस उपभोक्ताओं पर बिजली की कीमत का बोझ कुछ कम होगा और गर्मियों में महंगी बिजली ज्यादा मात्रा में नहीं खरीदनी पड़ेगी। वैसे, बिजली की निर्बाध आपूर्ति लो फ्रिक्वेंसी और ट्रांसमिशन लाइनों में आने वाली दिक्कतों पर भी निर्भर करती है। इन पर वितरण कंपनियों का कोई वश नहीं है। कंपनियां अपनी ओर से यह जरूर सुनिश्चित करेंगी कि उनके पास बिजली की कोई कमी न रहे।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:
प्रशान्त दुआ–39999870 / 9312007822

चंद्र पी कामत– 39999642 / 9350130304